No. of Printed Pages/Questions: 2/4

O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Periodic Test – III (Round – II) 2025 – 2026

Class -9 — MM-20

Subject- Hindi — Time: 1 Hrs.

Name: ____________ — Roll No.:_________

***General Instructions:** All questions are compulsory.*

प्र0 1 निम्नलिखित अपठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– **1X3+2X2=7**

रूपसी ! तेरा घन केश–पाश!
श्यामल–श्यामल कोमल कोमल
लहराता सुरभित केश–पाश।
नभ गंगा की रजघाट में
धो आई क्या इन्हें रात?
कंपित हैं तेरे सजल अंग
सिहरा–सा तन है सद्यः स्नात
भीगी अलकों के छोरों से
चूती बूँदें कर विविधलास।
रूपसी ! तेरा घन केश–पाश!
सौरभ भीना झीना गीला
लिपटा मृदु अंजन–सा दुकूल
पथ में जुगनू के स्वर्ण–फूल
दीपक–सा देता बार–बार
तेरा उज्ज्वल चितवन–विलास !
रूपसी ! तेरा घन केश–पाश!
उच्छ्वसित वक्ष पर है चंचल
वक–पाँतों का अरविंद हार
तेरी निःश्वास से छू भू को
बन–बन जाती मलयज बयार,
केकी रव की नूपुर ध्वनि सुन
जगती–जगती की मूक प्यास !
रूपसी! तेरा घन केश–पाश!

I काव्यांश में 'रूपसी!' कहकर किसे संबोधित किया गया है?

(क) रात्रि को (ख) वर्षा को

(ग) बिजली को (घ) इंद्रधनुष को

II कवयित्री वर्षा सुंदरी को संबोधित करते हुए कहती हैं कि–

कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए।

(i) तुम्हारा बादल रूपी काले–काले बालों का समूह बदसूरत है।

(ii) तुम्हारा बादल रूपी काले–काले बालों का समूह अत्यधिक सुंदर है।

(iii) तुम्हारे कोमल, काले और सुगंधित बाल हवा में लहरा रहे हैं।

(iv) तुम्हारा संपूर्ण शरीर धूप से तप रहा है।

विकल्प–

(क) कथन (i) सही है। (ख) कथन (i) और (ii) सही हैं।

(ग) कथन (ii) और (iii) सही हैं। (घ) कथन (ii) और (iv) सही हैं।

III **सुंदरी का शरीर सिहरा हुआ है, क्यों?**

(क) सर्दी के कारण (ख) वर्षा में भीग जाने के कारण

(ग) अभी–अभी नहाकर आने के कारण (घ) भयभीत होने के कारण।

IV **नृत्य करती बूँदें कहाँ से गिर रही है? उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर लिखिए।**

V **सुंदरी के पथ में दीपक कौन जलाते हैं? उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर लिखिए।**

प्र0 2 अलंकार पर आधारित पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **1X5=5**

I 'रसवती रसना करके कही, कथित की कथनीय गुणावली।'

प्रस्तुत काव्य पंक्ति में निहित अलंकार कौन–सा है ?

II यमक अलंकार का एक उदाहरण लिखिए। जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो।

III चरण धरत चिंता करत, चितवत चहुँ ओर।

'सुबरन' को खोजत फिरत, कवि, व्यभिचारी, चोर।।

प्रस्तुत काव्य पंक्ति में निहित अलंकार कौन–सा है?

IV 'तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए' इस काव्य पंक्ति में निहित अलंकार कौन–सा है?

V 'तीन बेर खाती थीं वे तीन बेर खाती हैं' इस काव्य पंक्ति में निहित अलंकार कौन–सा है?

प्र0 3 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 30 से 40 शब्दों में लिखिए– **2X2=4**

I 'ग्राम श्री' कविता के आधार पर बताइए कि तिनकों पर सूरज की किरणों का क्या प्रभाव पड़ता है ?

II 'ग्राम श्री' कविता के आधार पर लिखिए कि तितलियाँ वातावरण के सौंदर्य में चार चाँद लगा रही हैं। कैसे ?

प्र0 4 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 30 से 40 शब्दों में लिखिए– **2X2=4**

I प्रेमचंद फोटो में कैसे नज़र आ रहे हैं ?

II 'गंदे–से–गंदे आदमी की फोटो भी खुशबू देती है' के माध्यम से परसाई जी क्या कहना चाहते हैं ?

––0––